NBF-001-001202-N Seat No. _____

B. A. (Sem. II) (CBCS) Examination

April / May - 2017

Hindi : Compulsory

(Panchavati or Vyakaran)

(Adhunik Hindi Kavya Panchavati)

(Old Course)

Faculty Code : 001

Subject Code : 001202-N

Time : $2\frac{1}{2}$ Hours] [Total Marks : **70**

सूचना : (१) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

(२) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

(३) प्रश्नों के अंक दाहिनी ओर दर्शाये गये हैं ।

१ मैथिलीशरण गुप्त के व्यक्तित्व और कृतित्व का परिचय दीजिए । १४

अथवा

१ 'पंचवटी' खण्डकाव्य की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए । १४

२ खण्डकाव्य के लक्षणों की चर्चा करते हुए 'पंचवटी' का मूल्यांकन कीजिए । १४

अथवा

२ 'पंचवटी' के काव्य–सौन्दर्य पर अपने विचार प्रस्तुत कीजिए । १४

३ पंचवटी के नायक लक्ष्मण का चरित्र–चित्रण कीजिए । १४

अथवा

३ 'पंचवटी' काव्य में इतिहास और कल्पना का संमिश्रण हुआ है । – सिद्ध कीजिए । १४

४ किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : १४

(अ) पंचवटी काव्य में सीता ।

(ब) पंचवटी शीर्षक की सार्थकता ।

(क) पंचवटी में गुप्तजी की नारी भावना ।

(ड) पंचवटी काव्य का संदेश ।

५ सूचनानुसार उत्तर लिखें : (किन्हीं **दो**) १४

(अ) निम्नलिखित पद्य का पल्लवन कीजिए :

''आवश्यकता आविष्कार की जननी है ।''

अथवा

(अ) निम्नलिखित गद्यांश का संक्षेपण कीजिए :

शिक्षा का उद्देश्य विद्यार्थी को जीवन से पूर्णतया तैयार करना है । आज शिक्षा तो पुस्तकीय ज्ञान प्रदान करके ही अपने कर्तव्य की इति श्री समझते है। शिक्षार्थी का जीवन जगत से न परिचित किया जाता है और न उसे वास्तविक समस्या को सुलझाने के योग्य बनाया जाता है। आज की शिक्षा सचमुच अव्यावहारिक है। पुस्तकीय ज्ञान संबंधित बातों के अतिरिक्त वह कुछ नहीं जानता उसके फल स्वरूप राष्ट्र की अपार क्षति होती है ।

(ब) 'पंचवटी' काव्य के कलापक्ष समझाइये ।

अथवा

(ब) हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

મનુષ્ય સ્વતંત્ર વિચારયુક્ત પ્રાણી હોવા છતાં પણ પરિસ્થિતિઓનો દાસ છે. અને આ પરિસ્થિતિ ચક્ર શું છે ? તે પૂર્વજન્મના કર્મોનું ફળનું વિધાન છે. મનુષ્યનો વિજય ત્યાંજ શક્ય છે. જ્યાં તે પરિસ્થિતિઓના ચક્રમાં પડીને એની સાથે ચક્કર ન ખાય. પરંતુ પોતાના કર્તવ્યનો વિચાર કરીને વિજય મેળવે.